Title: Need for early completion of Rani Avantibai Sagar Project in Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : उपाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश एवं गुजरात के बीच जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी पर पश्चिमी देशों की नकल कर प्रगति के नाम पर बांधों की अनवरत श्रृंखला बनाई गई है। नर्मदा नदी की पौराणिक एवं भूगर्भीय स्थिति का पुनः अध्ययन आवश्यक हो गया है क्योंकि नर्मदा नदी की क्षरण की गति मैदानी भागों में बहने वाली नदियों में सर्वाधिक है। ऐसी स्थिति में विलंब से निर्मित होने वाली सिंचाई परियोजनाएं अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाएंगी, वहीं दूसरी ओर नर्मदा से मिलने वाली नदियों को आपस में जोड़ने की कार्य योजना सरकार को तत्काल बनानी चाहिए। बांधों की मुख्य नहरों को भी आपस में जोड़ने की योजना सरकार बनाए ताकि अधिक वर्षा तथा भूकंप की स्थिति में बाधों में पानी के दबाव को कम करने के लिए सुरक्षा संबंधी उपाय प्राथमिकता से किए जाएं।

नर्मदा के उद्‌गम के बाद पहले सबसे ऊंचे एवं बड़े बांध रानी अवंती बाई सागर परियोजना की दायीं तट नहर को तत्काल पूर्ण किया जाए क्योंकि दायीं तट नहर, बांध की सुरक्षा तथा निर्मदा घाटी परियोजना की सुरक्षा के लिए जरूरी है।